भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 670
उत्तर देने की तारीख **23** जुलाई**, 2025**

एकसमान मोबाइल शुल्क

670. प्रो. सौगत रायः

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत में सभी मोबाइल सेवाओं के लिए एकल/एकसमान शुल्क न होने के क्या कारण हैं,
(ख) क्या सरकार के पास देश में दूरसंचार क्षेत्र में कुछ प्रभारों और शुल्कों के मानकीकरण का कोई प्रस्ताव है;
(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) यदि नहीं, तो इस क्षेत्र में एक समान सेवा प्रभार और शुल्क लागू न करने के क्या कारण हैं;
(ङ) क्या यह अनिवार्य है कि देश में मोबाइल उपकरण निर्माता इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के लिए मानक चार्जिंग पोर्ट के रूप में यूएसबी टाइप-सी को अपनाएँ; और
(च) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) से (घ) मौजूदा विनियामक टैरिफ फ्रेमवर्क के अनुसार राष्ट्रीय रोमिंग, ग्रामीण फिक्स्ड लाइन सेवाएँ, मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी प्रभार, लीज़्ड सर्किट और यूएसएसडी जैसी सेवाओं को छोड़कर दूरसंचार सेवाओं के लिए टैरिफ फोरबियरेंस के अधीन है। मौजूदा विनियामक प्रावधानों के अनुपालन के अध्यधीन सेवा प्रदाता बाज़ार की स्थिति की अपनी समझ के आधार पर टैरिफ डिज़ाइन करने और ऑफर करने के लिए स्वतंत्र हैं।

सेवा प्रदाताओं को अपने प्रचालन के विभिन्न सेवा क्षेत्रों के लिए रिचार्ज वेल्यू और वैधता सहित कई कॉम्बिनेशन सहित विभिन्न टैरिफ घटकों जैसे कि विभिन्न प्रकार की कॉल, एसएमएस, डेटा ऑफर आदि के लिए दरें निर्धारित करने की छूट है।

सेवा प्रदाताओं द्वारा टैरिफ की पेशकश इनपुट लागत, प्रतिस्पर्धा के स्तर और अन्य वाणिज्यिक पहलुओं सहित कई कारकों को ध्यान में रखते हुए की जाती है, जो विनियामक सिद्धांतों के अनुपालन के अध्यधीन है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ पारदर्शिता, नॉन- प्रीडेशन और नॉन-डिस्क्रिमेशन सिद्धांत शामिल हैं।

गौरतलब है कि बाजार में पर्याप्त प्रतिस्पर्धा बनी हुई है, साथ ही चार दूरसंचार ऑपरेटर बाजार में प्रतिस्पर्धी प्लान की पेशकश कर रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि भारतीय दूरसंचार टैरिफ दुनियां में और भारत के पड़ोसी देशों की तुलना में भी सबसे कम हैं।

(ङ.) और (च) भारत में मोबाइल उपकरण विनिर्माताओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के लिए मानक चार्जिंग पोर्ट के रूप में यूएसबी टाइप-सी को अपनाना अनिवार्य नहीं है।

*****